

Padma Shri



SHRI KAITHAPRAM DAMODARAN NAMBOOTHIRI

Shri Kaithapram Damodaran Namboothiri is a well-known lyricist, poet, music director, singer, script writer, director, actor, carnatic vocalist, priest and philanthropist. He is a pioneer in popularizing the concept of Music Therapy in the country, especially in Kerala.

2. Born on 2nd June, 1950, in a poor Brahmin family, Shri Namboothiri belongs to the hierarchy of Adi Sankaracharya. His father, Late Shri Kesavan Namboothiri (Kannadi Bhagavathar) was an ardent disciple of the great Carnatic music maestro Sri. Chembai Vaidyanatha Bhagavathar.

3. Shri Namboothiri's initial service as a Journalist and Reporter in Mathrubhoomi Newspaper, exposed him to intimate contacts with a host of leading personalities like M T Vasudevan Nair. The association with the celebrities in the dramatic field like Padmabhooshan Kavalam Narayana Paniker (Thiruvaramangalam) and Narendra Prasad (Natyagruham) lent him a good opportunity to become a Lyricist and Music director. He entered the Malayalam Film Industry, as a Lyricist. Subsequently during the span of 30 years, he churned out more than 1500 Malayalam film songs as a Lyricist together with the legendary music directors like A R Rahman, Johnson, Ilayaraja, Bombay Ravi, M.M Keeravani, etc. During the currency of one year itself, he worked with the National Award Winning Music Director Johnson and churned out the lyrics for about 30 Malayalam films.

4. Shri Namboothiri inherited the talents for carnatic music from his own father and got it enriched through revered Gurus like SVS Narayanan. With the acquired mastery and expertise in carnatic music through years, he graced more than 2000 stages within and without India. The thinker and seer in him accidentally stumbled on the idea that music could be employed for freeing patients from mental stress and strain. Prompted by the urge of Swathi Thirunal Kalakendram Trust, Music Therapy Foundation, he entered upon a rigorous conduct of music therapy sessions in almost every Government hospitals in Kerala. The Hon'ble High Court, relying on the positive results of the free music therapy sessions conducted by him at the Kuthiravattam Government Mental Hospital, directed that all kinds of aid and assistance must be provided to him if he was ready and willing to continue the said sessions.

5. Shri Namboothiri's social commitments in reference to the Marad riots in 2003, was duly recognized not only by the general masses but also by the authorities concerned. The prompt act of visiting the riot-ridden areas of Marad, personally as a sentinel of peace holding sessions of reconciliation and harmony still lingers in human minds. He is the managing trustee of 'The Swathi Thirunal Kalakendram Trust', a public charitable trust, founded with the object of patronizing the faculty of carnatic music by conducting studies and research in Music.

6. Shri Namboothiri has received many awards and accolades including Kerala State film Awards for best lyricist in 1993 & 1996 and for best Music director in 1997; Kerala film Critics Awards for best lyricist and best music director; Kerala film chamber of commerce Awards; Filmfare Awards for best music director in 1997 & 1998 and Nana Awards for lyrics in 1996. He is also the recipient of Lifetime Achievement award & Ganga Bhaskara Puraskar for Carnatic classical music and also Ganasree Award & Ganahamsam Award. He also bagged an award for best poetry for his poem "Veedu". For his contribution in the field of music and music therapy, he received 'Oruma Sangeetha-Santhwana Award'. Singers like K J Yesudas, K S Chithra, M G Sreekumar etc. received State and National Awards for the songs written or composed by him.



श्री कैतप्रं दामोदरन नंबूतिरी

श्री कैतप्रं दामोदरन नंबूतिरी जाने-माने गीतकार, कवि, संगीत निर्देशक, गायक, पटकथा लेखक, निर्देशक, अभिनेता, कर्नाटक संगीत गायक, पुरोहित और समाजसेवी हैं। वह देश में खासकर केरल में म्यूजिक थेरेपी की अवधारणा को लोकप्रिय बनाने में अग्रणी रहे हैं।

2. 2 जून, 1950 को एक गरीब ब्राह्मण परिवार में जन्मे श्री नंबूतिरी आदि शंकराचार्य की क्रमावली से संबंध रखते हैं। उनके पिता स्वर्गीय श्री केशवन नंबूतिरी (कन्नडी भागवतार) महान कर्नाटक संगीत के पंडित श्री चेम्बाई वैद्यनाथ भागवतार के निष्ठावान शिष्य थे।

3. श्री नंबूतिरी ने शुरुआत में मातृभूमि अखबार में एक पत्रकार और रिपोर्टर के रूप में नौकरी की और इस दौरान उनका अंतरंग संपर्क एम. टी. वासुदेवन नायर जैसी कई प्रमुख हस्तियों के साथ हुआ। उन्हें, पद्मभूषण कवलम नारायण पणिकर (थिरुवरांगू) और नरेंद्र प्रसाद (नाट्यगुरुहम) जैसी नाट्य क्षेत्र की विभूतियों के साहचर्य ने गीतकार और संगीत निर्देशक बनने का श्रेष्ठ अवसर प्रदान किया। उन्होंने गीतकार के रूप में मलयालम फिल्म उद्योग में पदार्पण किया। तत्पश्चात, 30 वर्षों के अवधि में उन्होंने ए.आर. रहमान, जॉनसन, इलैयाराजा, बॉम्बे रवि, एम.एम. किरवाणी आदि दिग्गज संगीत निर्देशकों के साथ गीतकार के रूप में 1500 से अधिक मलयाली फिल्मी गीत कलमबद्ध किए। एक वर्ष के दौरान, उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीत निर्देशक जॉनसन के साथ काम करते हुए, तकरीबन 30 मलयाली फिल्मों के लिए गीत लिखे।

4. श्री नंबूतिरी को कर्नाटक संगीत की प्रतिभा अपने पिता से विरासत में मिली और उन्होंने एसवीएस नारायणन जैसे माननीय गुरुओं के माध्यम से इस प्रतिभा को और निखारा। इन वर्षों के दौरान, कर्नाटक संगीत में प्राप्त की गई निपुणता और विशेषज्ञता के साथ, उन्होंने भारत और विदेश में 2000 से अधिक संगीत मंचों की शोभा बढ़ाई। उनके विचारक और ऋषितुल्य मन में अचानक यह ख्याल आया कि संगीत के जरिए मानसिक दबाव और तनाव से छुटकारा पाया जा सकता है। स्वाति थिरुनल कलाकेंद्रम ट्रस्ट, म्यूजिक थेरेपी फाउंडेशन के आग्रह पर, उन्होंने केरल के लगभग हर सरकारी अस्पताल में संगीत चिकित्सा सत्र आयोजित किए। माननीय उच्च न्यायालय ने कुटीरवट्टम राजकीय मानसिक अस्पताल में उनके द्वारा आयोजित निःशुल्क संगीत चिकित्सा सत्रों के सकारात्मक परिणामों पर विश्वास जताते हुए, यह निर्देश दिया कि यदि वह उक्त सत्रों को जारी रखने के लिए तैयार और इच्छुक हैं तो उन्हें सभी प्रकार की मदद प्रदान की जाए।

5. वर्ष 2003 में मराड में हुए दंगों के संदर्भ में, श्री नंबूतिरी की सामाजिक निष्ठा को आम जनता के साथ-साथ संबंधित प्राधिकारी भी भली-भांति जानते हैं। मराड के दंगा ग्रस्त क्षेत्रों में शांति के प्रहरी के रूप में तुरंत दौरा करने तथा शांति और सद्भाव के सत्र आयोजित करने का कार्य अभी भी लोगों के मन में अंकित है। वह संगीत में अध्ययन और शोध का संचालन करके कर्नाटक संगीत शिक्षकों को संरक्षण देने के उद्देश्य से स्थापित किए गए एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट, 'द स्वाति थिरुनल कलाकेंद्रम ट्रस्ट' के प्रबंध ट्रस्टी हैं।

6. श्री नंबूतिरी को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं जिनमें 1993 और 1996 में सर्वश्रेष्ठ गीतकार और 1997 में सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार; सर्वश्रेष्ठ गीतकार और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक के लिए केरल फिल्म क्रिटिक्स अवार्ड; केरल फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स अवार्ड्स; 1997 और 1998 में सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार और 1996 में गीतों के लिए नाना पुरस्कार शामिल हैं। वह कर्नाटक शास्त्रीय संगीत के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, गंगा भास्कर पुरस्कार, गणश्री पुरस्कार और गणहमसोम पुरस्कार के प्राप्तकर्ता भी हैं। उन्हें अपनी कविता "वीडू" के लिए सर्वश्रेष्ठ कविता पुरस्कार भी मिला। संगीत और संगीत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें 'ओरुमा संगीत-सांत्वना पुरस्कार' प्रदान किया गया है। के. जे. येसुदास, के.एस. चित्रा, एम. जी. श्रीकुमार आदि जैसे गायकों ने उनके द्वारा रचित या संगीतबद्ध गीतों के लिए राज्य और राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए।